



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 70]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 29, 2000/ ज्येष्ठ 8, 1922

No. 70]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 29, 2000/JYAISTHA 8, 1922

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 मई, 2000

सं. टीएएमपी/42/2000-केपीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 49 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार चक्रवात/बाढ़/प्राकृतिक आपदा के दौरान पोतों के स्थानांतरण के लिए पायलिटिज शुल्कों के भुगतान से संबंधित कांडला पत्तन न्यास (केपीटी) के प्रस्ताव का अनुमोदन करता है।

अनुसूची

मामला सं० टीएएमपी/42/2000-केपीटी

कांडला पत्तन न्यास (केपीटी)

...

आवेदक

आदेश

(मई, 2000 के 23वें दिन को पारित किया गया)

यह मामला कांडला पत्तन न्यास (केपीटी) से प्राप्त एक प्रस्ताव से संबंधित है, जिसमें चक्रवात/बाढ़/प्राकृतिक आपदा के दौरान पोतों को स्थानांतरित करने के लिए पायलिटिज शुल्कों का भुगतान करने से छूट देने के लिए इसके दरों के मान में संशोधन करने का अनुरोध किया गया है।

2. जून, 1998 में विध्वंसक चक्रवात के दौरान पत्तन को हुए भारी नुकसान से संकेत लेते हुए पत्तन ने एक आंतरिक कार्ययोजना तैयार की है, जिसमें चक्रवात/बाढ़/प्राकृतिक आपदा के दौरान किए जाने वाले एहतियाती उपायों का ब्यौरा दिया गया है। इस योजना के अनुसार, पत्तन में बर्थ किए गए/बांधे गए जहाजों को सम्भावित चक्रवात/बाढ़/प्राकृतिक आपदा के बारे में संदेश मिलने पर चैनल से तत्काल हटाना होता है। केपीटी ने उल्लेख किया है कि चूंकि चक्रवात के खतरे के दौरान जहाज का स्थानांतरण पत्तन की सुरक्षा के लिए किया जाता है, इसलिए, पत्तन के प्रयोक्ता ऐसे स्थानांतरण के लिए पायलिटिज प्रभारों से छूट देने के लिए अनुरोध करते रहे हैं। चूंकि, पत्तन की दरों के मान में ऐसी छूट के लिए कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए, पत्तन ने ऐसे अनुरोध को स्वीकार करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की थी।
3. तथापि, पत्तन ने इस मुद्दे का अध्ययन करने और भविष्य में ऐसे मामलों पर कार्रवाई करने के लिए तौर-तरीकों का सुझाव देने के लिए एक समिति गठित की थी। समिति ने सिफारिश की थी कि जब भी चक्रवात/बाढ़/प्राकृतिक आपदा की आकस्मिकता के दौरान पत्तन से जहाज स्थानांतरित किए जाते हैं, तब ऐसे स्थानांतरण के लिए कोई पायलिटिज प्रभार वसूल नहीं किए जाएंगे। समिति की सिफारिश को स्वीकार करते हुए केपीटी के न्यासी बोर्ड ने दरों के मान को संशोधित करने का प्रस्ताव किया है, ताकि भुगतान से इस प्रकार की छूट दी जा सके।
4. किसी प्रकार की प्राकृतिक आपदा का होना पत्तन और पत्तन के प्रयोक्ताओं के नियंत्रण से बाहर होता है। ऐसी घटना के समय जहाजों का स्थानांतरण पत्तन संपत्ति को नुकसान से बचाने और जहाजों की सुरक्षा के लिए किया जाता है। ऐसे मामलों में पायलिटिज शुल्क के भुगतान की छूट का केपीटी का प्रस्ताव पत्तन प्रयोक्ताओं से इस संबंध में प्राप्त अनुरोधों के प्रत्युत्तर में है। यह प्रस्ताव अनुमोदन के योग्य है।
5. तदनुसार, केपीटी के दरों के मान में पायलिटिज शुल्क की अनुसूची, अध्याय-II में निम्नलिखित परिशिष्ट अनुमोदित किया जाता है :-
- “जब भी चक्रवात/बाढ़/प्राकृतिक आपदा की आकस्मिकता के दौरान जहाजों को पत्तन से स्थानांतरित किया जाता है, तब ऐसे स्थानांतरण के लिए कोई पायलिटिज शुल्क वसूल नहीं किए जाएंगे”।
6. केपीटी को इस परिशिष्ट को इसके दरों के मान में शामिल करने का निर्देश दिया जाता है। यह आदेश भारत के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने की तारीख से 30 दिन समाप्त होने पर लागू हो जाएगा।

एस. सत्यम, अध्यक्ष

[विज्ञापन/3/4/असाधारण/143/2000]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th May, 2000

No. TAMP/42/2000-KPT.—In exercise of the powers conferred under Section 49 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby approves the proposal of the Kandla Port Trust (KPT) relating to payment of pilotage fees for shifting of vessels during cyclone/flood/natural calamity, as in the Order appended hereto.

SCHEDULE
Case No.TAMP/42/2000-KPT

The Kandla Port Trust (KPT) ... Applicant

ORDER

(Passed on this 23rd day of May 2000.)

This case relates to a proposal from the Kandla Port Trust (KPT) requesting for an amendment of its Scale of Rates to exempt payment of pilotage fees for shifting of vessels during cyclone/flood/natural calamity.

2. Taking a cue from the heavy damages suffered by the Port during the devastating cyclone in June 1998, an internal Action Plan has reportedly been formulated by the port detailing the precautionary measures to be taken during cyclone/flood/natural calamity. According to this Plan, the vessels berthed/moored in the port are to be removed out of the channel at the earliest on receipt of message about anticipated cyclone/flood/natural calamity. The KPT has mentioned that since the shifting of vessel during the cyclonic threat is done for safety of the port, port users had been requesting for waiver of pilotage charges for such shifting. As the Scale of Rates of the port does not provide for such waiver, the port had expressed its inability to accede of such request.

3. The Port, however, constituted a Committee to study the issue and suggest ways and means to deal with such cases in future. The Committee reportedly recommended that whenever vessels from the port are shifted during exigencies of cyclone/flood/natural calamity, no pilotage charges shall be recovered for such shifting. Accepting the recommendation of the Committee, the Board of Trustees of the KPT has proposed to amend the Scale of Rates so as to provide for such exemption from payment.

4. Any incidence of natural calamity is beyond the control of the port as well as of the port users. Shifting of vessels in such an eventuality is done to protect port property from damage as well as for the safety of ships. The proposal of the KPT to exempt payment of pilotage fee in such cases is in response to requests received in this regard from port users. The proposal merits approval.

5. Accordingly, the following addendum to Chapter-II, Schedule of Pilotage Fees in the Scale of Rates of the KPT is approved:

"Whenever vessels from the Port are shifted during exigencies of cyclone/flood/natural calamity, no pilotage fee will be recovered for such shifting".

6. The KPT is directed to incorporate this addendum in its Scale of Rates. This Order shall take effect on expiry of thirty days from the date of its notification in the Gazette of India.

S. SATHYAM, Chairman

[Advt/III/IV/Exty/143/2000]

